आईसीटी कॉनक्लेव | एपीएस दिग्शेयी ने सभी 5 इवेंट में जीते इनाम, पीपीएस सहित 10 स्कूलों ने लिया था हिस्सा

माई इनोवेशन-रोबो सॉकर में पीपीएस सेकेंड

संदीप टुरना | नाभा

भविष्य में सेंसर आपकी जिंदगी में कितना उपयोगी हो सकता है। खतरों से बचाने से लेकर आपके जीवन को आसान बनाने में इसकी अहम भूमिका हो सकती है।

पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा में जारी 4 दिन की आईसीटी कॉनक्लेव में शामिल बच्चों ने कुछ ऐसी ही उम्मीद दिखाई। प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग हिस्सों से 9 स्कूल शामिल हुए। इसमें एपीएस दिग्शेयी ने सभी 5 इवेंट में हिस्सा लिया और इनाम जीता। पीपीएस नाभा ने माई इनोवेशन और रोबो सॉकर में दूसरा स्थान पाया। माई इनोवेशन में बच्चों ने व्हील चेयर बनाई थी, जो बुजुर्गों के साथ-साथ दिव्यांग लोगों की मदद कर सकेगी।

कॉनक्लेव के आखिरी दिन इवेंट खत्म होने के बाद बच्चों ने ड्रोन उड़ाया। वहां मौजूद टीचरों और बच्चों ने वीडियो बनाया

प्रतियोगिता के आखिरी दिन यानी सोमवार को सभी इवेंट खत्म होने के बाद और इनाम वितरण समारोह से पहले पीपीएस के बच्चों ने ड्रोन उड़ाया। इनाम वितरण में पहुंचे हेड मास्टर डॉ जगप्रीत सिंह ने कहा कि बच्चों की क्रिएटिविटी ने भविष्य की उस उम्मीद को दिखाया है, जिसकी हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं। बच्चों के इनोवेशन में कुछ ऐसे होंगे, जो आगे किसी न किसी रूप में साकार होंगे और लोगों की मदद करेंगे। प्रतियोगिता में शामिल अलग-स्कूल के बच्चों, उनके टीचरों और स्कूल स्टाफ का आभार जताया। यहां कंप्यूटर टीचर लवकेश सिंह, पीआरओ रसलजीत सिंह खटड़ा मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के विजेता

माई इनोवेशन: पाइनग्रोव स्कूल सोलन, पीपीएस नाभा व एपीएस दिग्शेयी और संस्कार वैली स्कूल भोपाल।

ऑब्सटेकल एवॉइडेंस: एपीएस दिग्शेयी, संस्कार वैली स्कूल भोपाल और वॉयो कॉलेज अजमेर।

डर्ट रेसर: वीडीजेएस हिसार, माउंट कॉर्मल असम और एपीएस दिग्शेयी।

रोबो सॉकर: एमराल्ड हाइट्स स्कूल इंदौर, पीपीएस नाभा और एपीएस दिग्शेयी।

पाथ फाइंडर: एपीएस दिग्शेयी, पाइनग्रोव सोलन और सहजावशेश्वर स्कूल गुलबर्गा।